

## थार रेगसितान में वनस्पतकी संभावना

### चर्चा में क्यों?

वर्षा और जलवायु डेटा पर एक सदिधांत के अनुसार, 'इंडियन ओशन वार्म पूल' (IOWP) पर ध्यान केंद्रित करते हुए वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण [थार रेगसितान](#) में वनस्पतकी संभावना हो सकती है।

### मुख्य बदि:

- हदि महासागर में IOWP की उपस्थतिको कई वर्षों से मान्यता प्राप्त है और यह मानसून के नरिमाण में भूमिका नभिता है। ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से हदि महासागर वार्मिंग पूल पश्चमि की ओर बढ़ रहा है।
- IOWP की पश्चमि सीमा पर जल वाष्पति हो जाता है तथा पृथ्वी के घूर्णन से भारत की ओर खचि/चला जाता है, जसिसे उत्तर-पूर्व में 150 दनिों तक और उत्तर-पश्चमि में केवल 70 दनिों तक वर्षा होती है।
- IOWP के पश्चमि की ओर वसितार के साथ, 'वर्षा के मौसम की अवधि' के परिणामस्वरूप भारत के अर्द्ध-शुष्क उत्तर-पश्चमि में औसत ग्रीष्मकालीन वर्षा में 50-100% की वृद्धि होगी।
- मूलतः वैज्ञानिकों का तर्क है कि थार रेगसितान में पर्याप्त वर्षा होने के कारण इस क्षेत्र में धीरे-धीरे हरियाली होने की क्षमता है।

### थार रेगसितान

- थार रेगसितान, जसिसे ग्रेट इंडियन डेज़र्ट (भारतीय महा मरुस्थल) के रूप में भी जाना जाता है, भारतीय उपमहाद्वीप पर रेतीली पहाड़ियों का एक शुष्क क्षेत्र है।
- यह विश्व के सबसे बड़े उपोष्णकटबंधीय रेगसितानों में से एक है।
- यह भारत में राजस्थान, गुजरात और हरियाणा राज्यों तथा पाकसितान में सधि व पंजाब प्रांतों तक फैला हुआ है।
- इसकी सीमा पश्चमि में सचिति सधि नदी के मैदान, उत्तर और उत्तर-पूर्व में पंजाब के मैदान, दक्षिण-पूर्व में अरावली पर्वतमाला तथा दक्षिण में कच्छ के रण से लगती है।
- यह रेगसितान कच्छ के ग्रेटर रण से पश्चमि में लूनी नदी की नचिली दलदली भूमिसे अलग होता है।



//